प्रादेशिक समाचार
आकाशवाणी जयपुर–अजमेर
दिनांकः 07.05.2025 समय : 01:50 पी.एम.

.....

भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा कल रात चलाया गया ऑपरेशन सिंदूर 25 मिनट का था और इस जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू–कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया गया। इन आतंकी ठिकानों में पाकिस्तान के सियालकोट में सरजाल कैंप, महमूना जोया और मरकज तैयबा मुरीदके तथा बहावलपुर में मरकज सुभानल्लाह शामिल थे। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सवाई नाला और मुजफ्फराबाद में सैयद ना बिलाल, कोटली गुलपुर, बिम्बर और कोटली अब्बास में आतंकी ठिकानों को नष्ट किया गया। नई दिल्ली में भारतीय सेना, वायु सेना और विदेश मंत्रालय की संयुक्त प्रेस वार्ता में कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया कि पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन कल रात एक बजकर पांच मिनट से एक बजकर तीस मिनट तक चलाया गया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दशकों से पाकिस्तान आतंकी ढांचे का निर्माण कर रहा है, जिसमें भर्ती, आतंकवादी विचारधारा और आतंकी कार्रवाइयों का प्रशिक्षण तथा लॉन्च पैड शामिल हैं। प्रेस वार्ता में हमले में नष्ट किए गए आतंकवादी स्थल और सैन्य तथा नागरिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाए बिना सफलतापूर्वक चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की विस्तृत जानकारी दी गई। सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बल भविष्य में पाकिस्तान के किसी भी दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।
इस अवसर पर विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले की जांच से पाकिस्तान के आतंकियों से संबंधों का पर्दाफाश हुआ है। उन्होंने कहा कि आतंकी गतिविधियों पर नजर रखने वाली भारत की खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिया है कि भारत पर और भी हमले हो सकते है। श्री मिसरी ने कहा कि रेजिस्टेंस फ्रंट नामक समूह ने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली है और यह समूह लश्कर–ए–तैयबा से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि इस हमले के तार पाकिस्तान से जुड़े हुए हैं।

.....

ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई एयरस्ट्राईक पर उन्होंने कहा कि ये कार्रवाई नपीतुली और जिम्मेदारीपूर्ण है। इसका उद्देश्य आतंकवाद के बुनियादी ढांचे को खत्म करना और आतंकियों को कमजोर करने पर केन्द्रित है।

.....

भारत की एयर स्ट्राइक के बाद राज्य सरकार अलर्ट मोड पर है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। इस संदर्भ में मुख्य सचिव सुधांश पंत तथा पुलिस महानिदेशक यू.आर.साहू मुख्यमंत्री से निरंतर संपर्क बनाए हुए हैं और स्थिति की सतत निगरानी की जा रही है। राजस्थान के सीमावर्ती जिलों के प्रशासन को विशेष निर्देश दिए गए हैं। मुख्य सचिव ने आमजन से सतर्क रहने, अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और केवल अधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करने की अपील भी की है। इस बीच प्रदेश की अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटे इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सीमावर्ती जिलों बीकानेर, बाड़मेर, जैसलमेर और जोधपुर में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। जैसलमेर एयरबेस पर हाई अलर्ट के बाद एयर डिफेंस सिस्टम फुल एक्टिव मोड में है। एयरबेस के आसपास सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। सुरक्षा के मद्देनजर बीकानेर और जोधपुर एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है, जबकि जयपुर एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली चार फ्लाइट्स को रद्द कर दिया गया है। बीकानेर, श्रीगंगानगर और बाड़मेर जिलों में जिला कलेक्टरों ने स्कूलों में छुट्टी की घोषणा की है। इन दिनों चल रही फाइनल परीक्षाएं भी स्थगित कर दी गई हैं। सभी सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। उन्हें मुख्यालय नहीं छोड़ने और नियमित रूप से कार्यस्थल पर उपस्थित रहने के आदेश दिए गए हैं।

.....

पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए आज देशभर के 244 वर्गीकृत नागरिक सुरक्षा जिलों में मॉक ड्रिल की जाएगी। इसका उद्देश्य किसी भी संभावित आतंकी हमले की स्थिति में नागरिकों को तैयार करना है। प्रदेश में ये सिविल डिफेंस ड्रिल राजधानी जयपुर समेत 28 शहरों में की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सायरनों के प्रभावी संचालन और आमजन को सुरक्षा मानकों के बारे में

जागरूक करने के अधिकारियों को निर्देश दिए है। मॉकड्रिल के दौरान सायरन बजाकर लोगों को चेतावनी दी जाएगी। इसके साथ ही ब्लैक आउट की भी व्यवस्था होगी, जिसमें शहरों और इमारतों की लाइट बंद की जाएंगी।

.....